हिन्दी पत्रिकाएँ -

§34§ "आजकल" - अक्टूबर 1961
§35§ "धर्मयुग" - मार्च 1992
§36§ "मनोरमा" -अक्टूबर 1977

परिशिष्ट - 3

शिवानी के पत्र

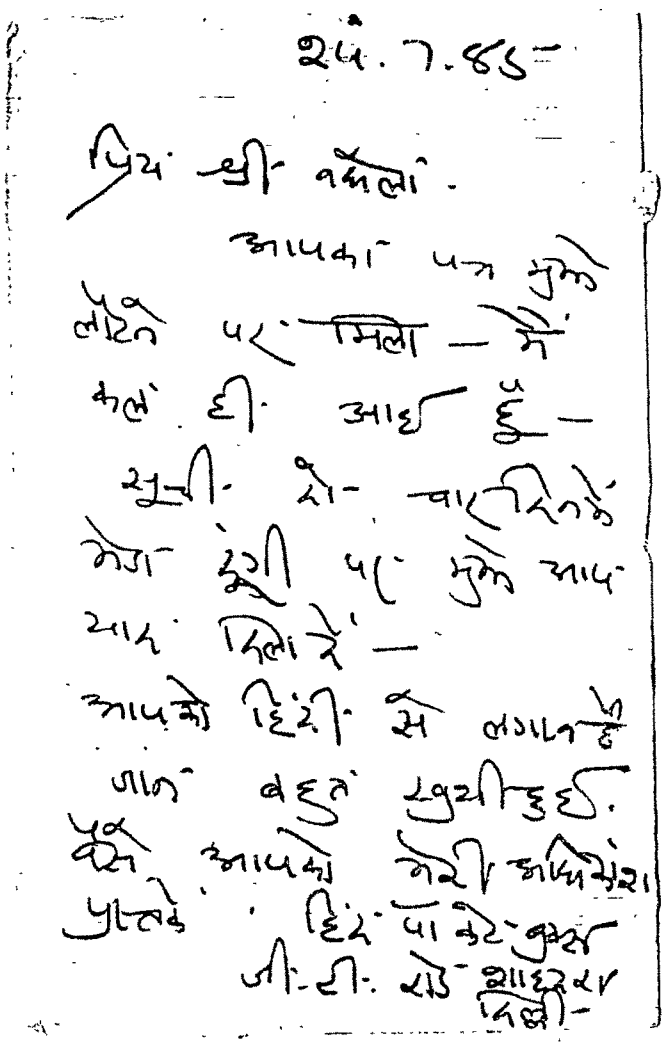

25.7.85

प्रिय श्री वर्केला,

आपका पत्र मुझे लौटने पर मिला — मैं कल ही आई हूँ — सुनी सो चारदिनों मेरा कुर्सी पर मुझे आप याद दिला रहे — आपको हिंदी से लगाव है जान बहुत खुशी हुई. वैसे आपको मेरी कहानियाँ पुस्तकें हिंद पॉकेट बुक्स जी.टी. रोड शाहदरा दिल्ली से मिल जायेंगी

सस्नेह —

शिवानी.

31st Aug 85

प्रिय श्री वघेला
सस्नेह आशीष
मैं latest list भेज
रही हूँ —

उपन्यास
भैरवी
चल खुसरो घर आपने
कहानी संग्रह
पुष्पहार
चार दिन की
मेरी प्रिय कहानियां
उपहार
चार दिन की
लाल हवेली
करिये छिमा
रथ्या
टोला

संस्मरण :–

1. गुरुदेव और उनका आश्रम
2. आ मादेर शान्तिनिकेतन
3. मंजीर
4. क्यों
5. बिन्नू
6. झरोखा

निबन्ध :–

जालक
गवाक्ष
गवाक्ष
झरोखा

बालसाहित्य

बचपन की याद
राधिका सुन्दरी
हर हर गंगे
अलविदा
स्वामीभक्त चूहा
भूत अंकल
आइसक्रीम महल

हे दत्तात्रेय (इतिहास)

सस्नेह
शिवानी